उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद

U.P. Council of Agricultural Research

अष्टम तल, किसान मण्डी भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226 010

8th Floor, Kisan Mandi Bhawan, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow- 226010

पत्रांकः 1566/एनआरएम/डब्लूबीएसएलएएजी/पीएल/2021 दिनॉकः 15–02–2024

दिनांक	:	15 फरवरी, 2024
समय	:	12:00 बजे
स्थान	:	उपकार सभाकक्ष
उपस्थिति	:	संलग्न

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप) की बीसवीं बैठक की कृषकों के उपयोगार्थ संस्तुतियाँ

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2024–25 की 20वी बैठक श्री पियूष कुमार शर्मा, सचिव, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में दिनांक 15 फरवरी, 2024 को परिषद के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक ; आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, अयोध्या के मौसम वैज्ञानिक व धान प्रजनक; चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, कानुपर के मौसम वैज्ञानिक एवं गेहूँ प्रजनक; भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक, गन्ना विभाग; उद्यान विभाग; कृषि विभाग; पशुपालन विभाग; मत्स्य विभाग; रेशम विभाग; समग्र ट्रांसफार्मिंग गर्वनेंस, नई दिल्ली के प्रतिनिधियों तथा परिषद के अधिकारियों/वैज्ञानिकों ने भाग लिया। उक्त के अतिरिक्त बैठक में रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के तिलहन व दलहन वैज्ञानिकों; बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा के मौसम वैज्ञानिक एवं कीट वैज्ञानिक;सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय मेरठ के मौसम वैज्ञानिक; शुआट्स, प्रयागराज के मौसम वैज्ञानिक द्वारा ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया।

आगामी सप्ताह (15 फरवरी से 22 फरवरी, 2024) का मौसम पूर्वानुमान

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी सप्ताह के उत्तरार्द्ध (19 फरवरी से 22 फरवरी, 2024) के दौरान प्रदेश के भावर तराई क्षेत्र, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र, मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग; दक्षिणी पश्चिमी अर्धशुष्क मैदानी क्षेत्र एवं मध्य मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग तथा पूर्वी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग के कुछ हिस्सों में गरज चमक एवं झोंकेदार हवाओं (30–40 कि.मी./घंटा) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में कहीं कहीं बूंदी–बांदी/हल्की वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान उक्त क्षेत्रों में कहीं–कहीं **ओलावृष्टि** होने की भी संभावना बन सकती है।

इस सप्ताह के दौरान प्रदेश के भावर तराई क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से कम तथा दक्षिण पश्चिमी अर्धशुष्क मैदानी क्षेत्र में यह सामान्य से आंशिक रूप से अधिक जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में सामान्य के आस पास रहने की संभावना है।

प्रदेश के भावर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 20–22 डिग्री सेंटीग्रेट; पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग, भावर तराई क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमोत्तर भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 22–24 डिग्री सेंटीग्रेट जबकि इन क्षेत्रो के शेष भाग में यह 24–26 डिग्री सेंटीग्रेट; दक्षिणी–पश्चिमी अर्ध शुष्क मैदानी क्षेत्र, मध्य मैदानी, पूर्वी मैदानी एवं उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में यह 26–28 डिग्री सेंटीग्रेट तथा बुन्देलखंड क्षेत्र एवं विन्ध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग एवं इनसे संलग्न दक्षिणी–पश्चिमी अर्ध शुष्क मैदानी क्षेत्र, मध्य मैदानी क्षेत्र, पूर्वी मैदानी क्षेत्र के दक्षिणी भागो में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 28–30 डिग्री सेंटीग्रेट के बीच रहने की संभावना है।

प्रदेश के उत्तरी पूर्वी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से अधिक जबकि अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह सामान्य के आस पास रहने की संभावना है। प्रदेश के भावर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग, मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमोत्तर भाग एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 08–10 डिग्री सेंटीग्रेट; पूर्वी मैदानी क्षेत्र, मध्य मैदानी क्षेत्र के पूर्वी भाग एवं उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 12–14 डिग्री सेंटीग्रेट जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में 10–12 डिग्री सेंटीग्रेट रहने की संभावना है।

द्वितीय सप्ताह (23 फरवरी से 29 फरवरी, 2024) का मौसम दृष्टिकोण

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम दृष्टिकोण के अनुसार द्वितीय सप्ताह के पूर्वार्द्ध (23 फरवरी से 24 फरवरी, 2024) के दौरान प्रदेश के भावर तराई क्षेत्र, दक्षिणी पश्चिमी अर्धशुष्क मैदानी क्षेत्र, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में कहीं–कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है।

प्रदेश में अधिकांश कृषि जलवायु अंचलों में प्रदेश के भावर तराई क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से (02–04 डिग्री सेंटीग्रेट) कम तथा प्रदेश के उत्तरी पूर्वी मैदानी क्षेत्र, पूर्वी मैदानी क्षेत्र एवं विन्ध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में यह सामान्य के आस पास जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह सामान्य से आंशिक रूप से कम रहने की संभावना है।

भावर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 18–20 डिग्री सेंटीग्रेट पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग, भावर तराई क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 20–22 डिग्री सेंटीग्रेट; भावर तराई क्षेत्र के पूर्वी भाग, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के दक्षिणी भाग एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 22–24 डिग्री सेंटीग्रेट; दक्षिणी–पश्चिमी अर्ध शुष्क मैदानी क्षेत्र एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग तथा उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 24–26 डिग्री सेंटीग्रेट जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 26–28 डिग्री सेंटीग्रेट के बीच रहने की संभावना है।

प्रदेश के भावर तराई क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से कम जबकि अन्य अधिकांश कृषि जलवायु अंचलों में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य के आस पास रहने की संभावना है। प्रदेश के भांवर तराई के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 06–08 डिग्री सेंटीग्रेट; पश्चिमी मैदानी क्षेत्र, बुंदेलखंड क्षेत्र के दक्षिणी भाग, दक्षिणी–पश्चिमी अर्ध शुष्क मैदानी क्षेत्र एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 08–10 डिग्री सेंटीग्रेट जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में 10–12 डिग्री सेंटीग्रेट रहने की संभावना है।

प्रदेश में मौसम के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किसानों को अगले दो सप्ताह हेतु कृषि प्रबन्धन के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं:–

गेहूँ की खेती

- विलम्ब से (जनवरी में) बोए गए गेहूँ के खेत में यदि अभी तक टॉप ड्रेसिंग नहीं की है तो उचित नमी की दशा में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।
- गेरूई तथा पत्ती धब्बा रोग के लक्षण दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल 25 प्रतिशत ई.सी. की 500 मिली./हे. लगभग 750 ली. पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।
- गेहूंसा एवं जंगली जई के नियंत्रण हेतु फिनोक्साप्राप–पी–इथाइल 10 प्रतिशत ई.सी. की 1 लीटर प्रति हे. अथवा क्लोडीनाफॉप प्रोपैरजिल 15 प्रतिशत डब्लू.पी. की 400 ग्रा. प्रति हे. मात्रा को लगभग 500 से 600 पानी में घोलकर अथवा सल्फोसल्फ्यूरान 75 प्रतिशत डब्लू.जी. की 33 ग्रा. (2.5 यूनिट) 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हे. फ्लैटफैननाजिल से बुवाई के 30 से 35 दिन बाद फ्लैटफैननाजिल से छिड़काव करें।
- सकरी एवं चौड़ी पत्ती दोनो प्रकार के खरपतवारों के एक साथ नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फ्यूरान 75 प्रतिशत की 33 ग्रा0/हे0 +मेटसल्फ्यूरान ईथाइल 20 प्रतिशत डब्लू.पी. की 20 ग्रा. प्रति हे. मात्रा को लगभग 500–600 ली0 पानी में घोलकर बुआई के 30–35 दिन बाद फ्लैटफैननाजिल से छिड़काव करें।

दलहनी फसलों की खेती

- चना व मटर में फलीबेधक कीट व अर्धकुण्डलीकार कीट के नियंत्रण हेतु बैसिलस थूरिनजिएन्सिस (बी.टी) की कर्स्टकी प्रजाति 1.0 किग्रा अथवा एजाडिरैक्टिन 0.03 प्रतिशत अथवा डब्लू.एस.पी. 2.5–3.0 किग्रा. अथवा एन.पी.बी. ऑफ हेल्को वरपा आर्मीजेरा 2 प्रतिशत ए.एस. 250–300 मिली. को 500–600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।
- मटर में तुलासिता रोग के नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 75 डब्लू.पी. की 2 किग्रा. अथवा जिनेब 75 प्रतिशत डब्लू.पी. की 2 किग्रा. अथवा कॉपर आक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्लू.पी. की 3 किग्रा. मात्रा प्रति हे. लगभग 500–600 ली. पानी में घोलकर छिड़काव करें।

- मटर में बुकनी रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 80 प्रतिशत 2 कि.ग्रा. अथवा ट्राईडेमेफॉन 25 प्रतिशत डब्लू.पी. 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर लगभग 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें

तिलहनी फसलों की खेती

- सरसों की फसल में अल्टरनेरिया, पत्ती धब्बा, सफेद गेरूई एवं तुलसिता रोग के नियन्त्रण हेतु मैंकोजेब 75 डब्लू.पी. की 2.0 कि.ग्रा. अथवा जिनेब 75 प्रतिशत डब्लू.पी. की 2.0 किग्रा अथवा जिरम 80 प्रतिशत डब्लू पी की 2.0 किग्रा. अथवा कापर आक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्लू.पी. की 3.0 किग्रा. मात्रा प्रति हे. लगभग 600–750. लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- सरसों में माहू या चेंपा का प्रकोप होने पर शुरूआती आक्रमण के समय माहू युक्त टहनियों को तोड़कर नष्ट करते रहें तथा अधिक प्रकोप होने पर रासायनिक उपचार के लिये डाईमिथोएट 30 ई.सी. का 1 मिली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें तथा अधिक प्रकोप की स्थिति में 15 दिन अंतराल पर पुनः छिड़काव करें।
- किसान भाई अपने खेतों की निरंतर निगरानी करते रहे सफेद रतुआ रोग के लक्षण दिखने पर 600 से 800 ग्राम मैंकोजेब (डाईथेन एम45) प्रति हे. का 250 से 300 लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर 2 से 3 बार छिड़काव करें।

जायद फसलों की खेती

- मूंग की उन्नत किस्मों यथा के.एम.–2195 (स्वाति) आई.पी.एम.205–7 (विराट), आई.पी.एम.410–3 (शिखा), कनिका, वर्षा, आजाद मूंग–1, आई.पी.एम.312–20, आई.पी.एम.409–4 (हीरा, वसुधा, सूर्या तथा आजाद मूंग–1 की बुवाई करें।
- उर्द की प्रजातियों यथा आई.पी.यू.–13–1, पंत मूंग–10, आई.पी.यू.–11–2, वल्लभ उर्द–1, प्रताप उर्द–1, विश्वास, माश–479 तथा कोटा उर्द–4 की बुवाई करें।
- सूरजमुखी की उन्नत संकुल किस्मों मॉर्डन, सूर्या, पी.बी.एन.एस.–40 तथा संकर किस्मों, के.वी.एस.एच.–1, एस.एच.–3322, एम.एस.एफ.एच.–17 तथा वी.एस.एफ.–1 की बुवाई करें।
- मक्का की संकुल किस्मों यथा नवीन, नवजोत, कंचन, श्वेता, आजाद उत्तम, गौरव, प्रताप कंचन–2 तथा संकर किस्मों यथा पूसा अगेती संकर मक्का–2, जे.एच.–3459, मालवीय संकर मक्का–2, एन.एम.एच. 920, 803, एल.जी.–32–81, सी.ओ.एच.(एम)–8, पी.ए.सी.–751, डक्कन–115 तथा पी.ए.सी.–740 व हरे भुट्टे के लिये संकुल किस्मों यथा माधुरी, प्रिया, विन आरेंज तथा शिशु मक्का की किस्मों आजाद कमल, प्रकाश पूसा संकर अगेती मक्का–2, एच.एम.–4 की बुवाई करें।
- जेठी सावां की भावना व एम.डी.यू.–1 किस्मों की बुवाई 15 फरवरी से करें।

गन्ना की खेती

- बसंतकालीन गन्ना बुवाई हेतु नवीन उन्नतशील किस्मों का बीज गन्ना आधार प्राथमिक, द्वितीयक एवं बीज गन्ना उत्पादक कृषकों के यहाँ सुरक्षित कर लें।
- जिस खेत में गन्ने की बुवाई की जानी है, उसका मृदा परीक्षण अवश्य करा लें।
- सिंगल बड एवं बड चिप विधि से नर्सरी तैयार करने हेतु आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर लें।
- लालसड़न रोग के संक्रमण के दृष्टिगत खेत की तैयारी के समय मृदा उपचार अवश्य करें।
- मृदा उपचार हेतु 10 किग्रा. ट्राइकोडर्मा को 2–3 कु. सड़ी खाद में मिलाकर अंतिम जुताई के समय प्रयोग करें।
- मध्य क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र में बुआई का समय 15 फरवरी के उपरान्त आता है अतः शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की बुआई हेतु को.शा. 95255, को.से. 03234, सी.ओ.–0118, को.लख.–14201, को.लख.–11203, को. –15023 तथा को.शा–13235 में से उपलब्धतानुसार प्रजातियों का चयन करें। गन्ना की किस्म को.–0238 में लाल सड़न रोग के दृष्टिगत इसकी बुवाई से बचें।

सब्जियों की खेती

- अक्टूबर माह में बोई गई आलू की फसल फरवरी माह के अंत तक पक जाती है। खुदाई के 10 दिन पहले आलू की बेल को काट दें, जिससे आलू पक जाता है और छिलका मबजूत हो जाता है।
- टमाटर तथा मिर्च में झुलसा रोग से बचाव हेतु मैंकोजेब 75 प्रतिशत डब्लू.पी. की 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से अथवा एजोक्सीस्ट्रॉबिन 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

- वातावरण में नमी के कारण मटर की फसल में पाऊडरी मिल्ड्यू का प्रकोप होने की संभावना रहती है। प्रकोप की दशा में घुलनशील गंधक का चूर्ण 2 ग्राम दवा प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- टमाटर की ग्रीष्मकालीन फसल के लिये रोपाई एवं कद्दूवर्गीय फसलों की बुवाई 15 से 25 फरवरी तक करें।
- सब्जियों की फसल में विशेषतया टमाटर, मिर्च में विषाणु रोग का प्रकोप अधिक होता है इस रोग का प्रसार वाहक कीट सफेद मक्खी, हॉपर कीट के द्वारा होता है। इसके प्रसार की रोकथाम हेतु आवश्यकतानुसार डाईमिथोएट 30 ई.सी. 1 मि.ली. दवा को प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- टमाटर की फलबेधक सूड़ी के नियंत्रण हेतु साइजोपर 10 ओ.डी. की दर से 1.8 मिली/लीटर अथवा इंडाक्साकार्ब 14.5 एस.सी. की दर से 1.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- प्याज में बैंगनी धब्बा रोग तथा थ्रिप्स कीट के नियंत्रण हेतु जिनेब या मैंकोजेब 0.2 प्रतिशत तथा डाईमेथोऐट (1.0 मिली./ली. पानी) छिड़काव करें।
- प्याज को पर्पिल ब्लाच रोग का प्रकोप होने पर जिनेब या मैंकोजेब 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

बागवानी

- आम के भुनगा कीट के रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 30.5 प्रतिशत एस सी (0.3 मि.ली. प्रति लीटर) एवं प्रोफेनोफॉस 50 प्रतिशत ई.सी. (01 मिली. प्रति लीटर) पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- आम की छाल खाने वाले कीटों तथा तनाबेधक कीटों के नियंत्रण हेतु छिद्रों को साफ करके 0.05 प्रतिशत की दर से डाईक्लोरोवॉस 76 ई.सी. का घोल छिद्रों में भरकर बंद कर दें।
- आम में गुझिया कीट की संख्या अधिक हो तो प्रत्येक पेड़ में मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल का 200 ग्राम दवा प्रति पेड़ की दर से तने के चारों ओर गुड़ाई करके मिट्टी में मिलाने से गुझिया कीट का नियंत्रण किया जा सकता है।
- जुलाई से सितम्बर के मध्य लगाये गये आम, अमरूद, नींबू आदि के नवीन बागों में जो पौधें किन्हीं कारणवश मर गये हो उनके स्थान पर नये पौधें लगायें।

पशुपालन

- पशुओं को सर्दी से बचाने के लिये पशुघर का उचित प्रबंध करें।
- पशुशाला में मच्छर, मक्खी का प्रकोप बढ़ जाता है जिससे गंभीर बीमारियां होती है, जिसके बचाव हेतु आवश्यक दवाओं, कृमिनाशक का नियमित छिड़काव अवश्य कराया जाय।
- बरसीम एवं जई फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करते रहें।
- खुरपका एवं मुंहपका बीमारी (एफ.एम.डी.) का टीकाकरण कराया जा रहा है, यह सुविधा पशुचिकित्सालयों पर निःशुल्क उपलब्ध है।
- पशुओं को संतुलित आहार के साथ खनिज मिश्रण अवश्य खिलायें एवं नमक तथा गुड़ का घोल बनाकर खिलायें।
- बरसीम अधिक खिलाने से पशुओं को अफरा हो सकता है, अफरे से बचाव के लिये बरसीम के साथ सूखा चारा मिलाकर खिलायें।
- कृषकों/पशुपालकों के द्वारा पर पशु चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु विभाग के द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का लाभ लेने हेतु पशुपालक टोल फ्री हैल्पलाइन नं. 1962 पर सम्पर्क करें।

मत्स्य पालन

- तालाबों का जल स्तर 5 से 5.5 फुट तक बनाये रखा जाय।
- तालाब में संचित मत्स्य के पोषण हेतु रासायनिक उर्वरकों को मासिक रूप से 74 किग्रा प्रति हेक्टेयर (सुपरफास्ट–25 कि.ग्रा., यूरिया–45 कि.ग्रा., म्यूरेट ऑफ पोटाश–04 कि.ग्रा.) की दर से प्रयोग किया जाय।
- मछलियों में वृद्धि हेतु पूरक आहार का प्रयोग मछलियों के वजन के 1 से 2 प्रतिशत तक किया जाय।
- कॉमन कार्प मछलियों के प्रजनन दृष्टिगत माह फरवरी में प्रजनकों (ब्रूडर) का पृथककरण करा दिया जाय एवं उनका विशेष पोषण प्रारंभ किया जाय।

- मछलियों के निश्चित समय पर ही भोजन किया जाय।

रेशम पालन

- प्रदेश में शहतूती कीट पालन दिनांक 20.02.2024 से प्रारंभ होने जा रहा है इस हेतु किसानों/कीटपालकों को यह सुझाव दिया जाता है कि वह कीटपालन गृह एवं कीटपालन उपकरणों को अच्छी प्रकार से 1 प्रतिशत सैनीटेक (क्लोरीन डाई आक्साईड) से या 2 प्रतिशत फार्मेलीन के घोल से तथा 40 कि.ग्रा. चूना एवं 200 ग्रा. ब्लीचिंग पाऊडर से 03 चक्रों में विशुद्धीकरण करायें तथा कीटपालन के समय तापमान एवं आर्द्रता का विशेष ध्यान रखें।

वानिकी

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पॉपुलर की पौध लगायें।
- बाँसुरी विधि से बाँस की नर्सरी तैयार करें।
- यदि अभी तक व्यवस्था न हुई हो तो तुरन्त सिरस, खैर, आंवला, सागौन, बकैन, युकेलिप्टस, व गुलमोहर के बीज की स्थानीय स्तर पर व्यवस्था करें। तहसील स्तर पर रेंज आफिस तथा जिला स्तर पर जिला वन अधिकारी से बीज प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।
- नये पौधों की रोपाई हेतु गड्ढा खुदान कर लें। सिरस, खैर, आंवला, सागौन, बकैन, युकेलिप्टस व गुलमोहर के बीज की बुआई पौधशाला के अंकुरण कक्ष में कर लें।

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की अगली बैठक दिनॉक 29 फरवरी, 2024 को अपराह्न 12:00 बजे आयोजित की जायेगी।

नोटः– क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां वेबसाईट *upcar.up.gov.in* पर भी उपलब्ध है।

15/02/24

(पियूष कुमार शर्मा)
सचिव

प्रतिलिपिः उपरोक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
2. निजी सचिव, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय राज्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. निजी सचिव, माननीय अध्यक्ष, को माननीय अध्यक्ष जी के अवलोकनार्थ।
4. स्टाफ ऑफीसर, मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
5. निजी सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन को महोदय के सूचनार्थ।
6. अपर मुख्य सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
7. अपर मुख्य सचिव, उद्यान, उ.प्र. शासन।
8. अपर मुख्य सचिव, पशुपालन, उ.प्र. शासन।
9. अपर मुख्य सचिव, मत्स्य, उ.प्र. शासन।
10. अपर मुख्य सचिव, रेशम, उ.प्र. शासन।
11. अपर मुख्य सचिव, नियोजन योजना भवन, लखनऊ।
12. कुलपति, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ, बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा, सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
13. गन्ना आयुक्त, गन्ना आयुक्त कार्यालय, 17 न्यू बेरी रोड, गन्ना किसान संस्थान, डालीबाग, लखनऊ।
14. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उ.प्र., केसरबाग, लखनऊ।
15. राहत आयुक्त, उ.प्र.।
16. समस्त जिलाधिकारी, उ.प्र.।

17. निदेशक कृषि, कृषि भवन, लखनऊ।
18. निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
19. निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ।
20. निदेशक, राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ।
21. अध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ।
22. निदेशक, उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर।
23. निदेशक, रेशम, रेशम विभाग, गोमती नगर, लखनऊ।
24. निदेशक, मत्स्य, मत्स्य निदेशालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ।
25. निदेशक, उद्यान, उद्यान विभाग, लखनऊ।
26. निदेशक, पशुपालन, पशुपालन विभाग, लखनऊ।
27. निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ।
28. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, वन विभाग, 17 राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
29. प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, बादशाहनगर, लखनऊ।
30. निदेशक, सांख्यिकी, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
31. निदेशक प्रसार, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर/ आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या/ सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ/ बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा/ सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
32. निदेशक, दूरदर्शन, लखनऊ।
33. निदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ।
34. निदेशक, रिमोट सेन्सिग एप्लीकेशन सेण्टर, सेक्टर जी, जानकीपुरम, कुर्सी रोड, लखनऊ।
35. निदेशक, कृषि मौसम, मौसम केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
36. निदेशक सूचना, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उ.प्र. लखनऊ।
37. अपर कृषि निदेशक(सामान्य), कृषि निदेशालय, कृषि भवन, लखनऊ।
38. अपर कृषि निदेशक, प्रसार, कृषि भवन, लखनऊ।
39. अपर कृषि निदेशक, कृषि रक्षा, कृषि भवन, लखनऊ।
40. संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण, कृषि भवन, लखनऊ को किसान कॉल सेंटर के उपयोगार्थ प्रेषित।
41. कृषि विभाग के सभी संयुक्त कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी
42. प्रदेश के 20 कम्युनिटी रेडियो।
43. प्रदेश के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र
44. प्रदेश के 1500 एफ.पी.ओ.
45. बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारी/वैज्ञानिक।
46. निजी सचिव महानिदेशक, उपकार को महानिदेशक महोदय के सूचनार्थ।

16-2-24

(विनोद कुमार तिवारी)
वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव

संलग्नक

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्राप वेदर वाच ग्रुप) की वर्ष 2023–24 की बीसवीं बैठक दिनांक 15 फरवरी, 2024 की उपस्थिति

1. श्री पीयूष कुमार शर्मा, सचिव, उपकार, लखनऊ
2. श्री ए.के. बिश्नोई, संयुक्त कृषि निदेशक, धान्य फसलें, कृषि विभाग, उ.प्र.
3. डा. टी.के. श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी मौसम विभाग, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ (ऑनलाइन)
4. श्री अमर सिंह, संयुक्त गन्ना आयुक्त, गन्ना विभाग, उत्तर प्रदेश
5. डा. विजय बहादुर द्विवेदी, संयुक्त निदेशक शाकभाजी, उद्यान भवन, सप्रू मार्ग लखनऊ
6. डा. विनोद कुमार तिवारी, वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, उपकार, लखनऊ
7. डा. सौरभ दीक्षित, राईस ब्रीडर, क्राप रिसर्च स्टेशन, मसौधा, आचार्य, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या
8. श्री अतुल कुमार सिंह, प्रभारी वैज्ञानिक, आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ
9. श्री ए. के. शुक्ला, सहायक निदेशक, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश
10. डा. सोमवीर सिंह, व्हीट ब्रीडर, सेक्शन ऑफ रबी सीरियल, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
11. डा. एस.एन. पाण्डेय, एग्रोमेट्रोलाजिस्ट/नोडल ऑफिसर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
12. डा. अनिल दीक्षित, संयुक्त निदेशक, पशुपालन, उत्तर प्रदेश
13. डा. दिनेश शाह, प्राध्यापक, शस्य विज्ञान एवं इंचार्ज, एग्रोमेट आबजरवेट्री, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा (ऑनलाइन)
14. डा. अनसुमान सिंह, वैज्ञानिक, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी (ऑनलाइन)
15. डा. यू.पी. शाही, प्राध्यापक मृदा विज्ञान एवं प्रधान अन्वेषक, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) (ऑनलाइन)
16. डा. राकेश चौधरी, वैज्ञानिक, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी
17. डा. प्रवीन चरन, टेक्नीकल आफीसर, जी.के.एम.एस. परियोजना, नैनी एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट शुआट्स, प्रयागराज (ऑनलाइन)
18. डा. जय पाल, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार, लखनऊ
19. श्री नितेश सहाय, सहकारी पर्यवेक्षक, रेशम विभाग, लखनऊ
20. श्री कुंदन सिंह, पादप रक्षा विभाग, कृषि विभाग, लखनऊ
21. श्री दीपांशु सिंगल, समग्र ट्रांसफार्मिंग गर्वनेंस, नई दिल्ली
22. श्री श्रेयांश वर्मा, समग्र ट्रांसफार्मिंग गर्वनेंस, नई दिल्ली
23. श्री सुमित कुमार गुप्ता, प्रोग्राम मैनेजर, क्राप वेदर वॉच ग्रुप, उपकार, लखनऊ